nt>

Title: Need to look into the problems being faced by farmers in Bihar due to non-availability of fertilizers.

श्रीमती रंजीत रंजन (सहरसा) : अध्यक्ष महोदय, हमारा देश कृषि प्रधान देश है। हमारी 85 प्रतिशत आबादी कृषि से संबंधित है। खासकर बिहार जहां से मैं आती हूं, वहां पर सबसे ज्यादा आबादी है। मैक्सिमम आबादी कृषि पर निर्भर है। आज किसान की हालत खाद को लेकर बहुत दयनीय है कि उनको खाद नहीं मिल रही है। एक तरफ किसानों को खाद नहीं मिल रही है और दूसरी तरफ खाद की सरेआम कालाबाजारी हो रही है। उसके कारण खासकर पूर्णिया मंडल में और कौशिका मंडल में जहां से मैं आती हूं, वहां पर किसान आज आत्महत्या करने के कगार पर हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि वहां पर जो खाद की कालाबाजारी हो रही है, उसके लिए दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और उसकी तरफ जल्दी से जल्दी ध्यान दिया जाए क्योंकि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और आज हमारे किसानों की हालत हर जगह बहुत ज्यादा दयनीय है।

* Not Recorded

SHRI KHARABELA SWAIN : I have given a notice. I could have raised it as a matter of privilege. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Which one?

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : I have given a notice. I could have raised it as a matter of privilege. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will come to you. I have not rejected your notice. Let me find out.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : It is a question of privilege of a Member of Parliament. That is why I gave the notice. I do not rise quite often. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have risen without waiting for it. In only one place I have broken the queue. It is for Shrimati Shukla because she made a particular request to me. I have not denied it.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : You are the protector of my right. ...(*Interruptions*) I would just like to have my right through you. I am just drawing your attention to a question of right. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have more than drawn my notice.